समाधि भाई रामसिंह

कथा
भीष्म साहनी

नाट्य रूपांतर और प्रस्तुति
विभा रानी

समाधि भाई रामसिंह

कथा

भीष्म साहनी

नाट्य रूपांतर और प्रस्तुति

विभा रानी

प्रकाशक: नॉटनल

प्रकाशन: मार्च, 2025

© विभा रानी

समाधि भाई रामसिंह

कथा:	भीष्म साहनी
नाट्य रूपांतर/संगीत:	विभा रानी
निर्देशन:	राजेंद्र जोशी
संगीत संचालन:	कमल यादव

विधा:	एकल नाटक
प्रस्तुति:	विभा रानी
अवधि	70 मिनट

(इस नाटक की पहली प्रस्तुति सूत्रधार, इंदौर द्वारा आयोजित 'भीष्म साहनी जन्मशती समारोह' के अवसर पर 8 अगस्त, 2015 को की गई थी। चूंकि नाटक आज छप रहा है, इसलिए आज के समय के अनुसार कुछ- कुछ अन्य मुद्दे भी डाले गए हैं।)

अपनी बात!

भीष्म साहनी लिखित कथा ‘समाधि भाई रामसिंह’ आज की बदलती मानसिकता के एकदम करीब है। अफवाहों को हवा में उड़ाने के बदले उसे सच मान लेना, भीड की उन्मादी मानसिकता और तथाकथित धर्म के नाम पर इंसानियत का खून! सच को सच न मानना और चमत्कार पर अतीव विश्वास रखना हमारा स्वभाव बन गया है। इसी की पड़ताल करता है ‘समाधि भाई रामसिंह।’

हमेशा से कुछ अलग करना मेरे स्वभाव में है। इसलिए जब सूत्रधार, इंदौर के संस्थापक सत्यनरायण व्यास जी ने भीष्म साहनी की जन्मशती के अवसर पर मुझे इनकी किसी कहानी पर सोलो नाटक करने को कहा तो मैं उनकी कहानियां खंगालने लगी। सभी परिचित कहानियां मिलीं, जिनपर रंगकर्मी नाटक करते रहे हैं। खोजते हुए मुझे यह कहानी मिली और एक नज़र में मुझे भा गई।

‘समाधि भाई रामसिंह’ भीष्म साहनी की कम चर्चित कहानी है। किसी जानेमाने निर्देशक ने कहा कि चूंकि इसमें किसी व्यक्ति की महत्वाकांक्षा को दिखाया गया है, इसलिए इसे पसंद नहीं किया गया। मेरी नज़र में यह व्यक्ति की कमजोरी नहीं, हमारे समाज की है। उसकी रूढ़ियों, अंध विश्वास, चमत्कार पर विश्वास की कमजोरी है। मान